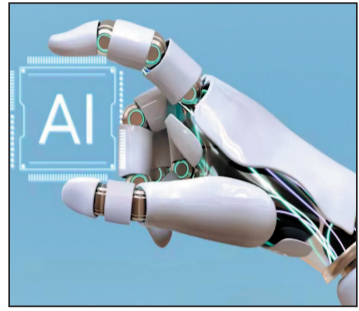


जेनेरेटिव एआई बनी कारोबार की नई धड़कन

एआई का दैनिक उपयोग 17% बढ़ा, 46% नेता कर रहे रोजाना इस्तेमाल

नई दिल्ली. जेनेरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब प्रयोग की सीमा से निकलकर कारोबार जगत के दैनिक कामकाज का हिस्सा बन गई है. न्यूटन नाम-एआई रिसर्च की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, करीब 46 प्रतिशत कारोबारी नेता रोजाना जेनेरेटिव एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है. वहीं, 80 प्रतिशत से अधिक नेता हर सप्ताह किसी न किसी रूप में इसका उपयोग करते हैं.



करीब 70 प्रतिशत कारोबारी नेता मानते हैं कि आने वाले वर्षों में एआई उनके उद्योगों पर गहरा या क्रांतिकारी असर डालेगी, वहीं 88 प्रतिशत संगठन अगले वर्ष एआई पर खर्च बढ़ाने की योजना बना रहे हैं. अब तक 67 प्रतिशत कंपनियों में वरिष्ठ प्रबंधन सीधे एआई परियोजनाओं में शामिल हैं और 60 प्रतिशत कंपनियों ने चीफ एआई ऑफिसर नियुक्त किए हैं.

रिपोर्ट के अनुसार, एआई अपनाने की प्रक्रिया असमान है — आईटी और परचेजिंग विभाग इस क्षेत्र में सबसे आगे हैं, जबकि मार्केटिंग, बिक्री और संचालन विभाग पिछड़े रहे हैं. बड़ी कंपनियां अब छोटे और मध्यम उद्यमों की बराबरी कर रही हैं, लेकिन तकनीकी, टेलीकॉम और बैंकिंग सेक्टर अब भी मैन्युफैक्चरिंग और रिटेल उद्योगों से आगे हैं. महत्वपूर्ण बात यह है कि अब शुरूआती उत्साह के स्थान पर जवाबदेही और वास्तविक परिणाम पर जोर दिया जा रहा है. करीब तीन-चौथाई नेता लाभप्रदता और उत्पादकता जैसे ठोस मानकों से एआई निवेश का मूल्यांकन कर रहे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, 'अब एआई निवेश का नया सूत्र है — बजट अनुशासन और ऋद्धि पर सख्त नजर.' तीनों-चौथाई कंपनियों को पहले से ही सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं, जबकि

रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि एआई अपनाने की सफलता अब मानव संसाधन प्रबंधन, प्रशिक्षण और स्पष्ट भूमिका निर्धारण पर निर्भर करेगी. इसका कहना है कि 'टैलेंट, ट्रेनिंग और भरोसेमंद गवर्नेंस जैसे मानवीय पहलू सीधे तौर पर एआई अपनाने की गति और सफलता को प्रभावित करते हैं.' महज एक वर्ष में ही एआई प्रयोगों से निकलकर संगठनों की मुख्य कार्य प्रणाली का हिस्सा बन गई है. डेटा विश्लेषण, दस्तावेज सारांश और लेखन जैसे कार्यों में इसका उपयोग सबसे अधिक प्रभावी साबित हो रहा है. रिपोर्ट निष्कर्ष देती है — 'टीमें जब अपने मौजूदा कार्यप्रवाह में एआई को शामिल कर रही हैं, तो उन्हें वास्तविक और मापने योग्य लाभ मिल रहे हैं.' चार में से पाँच संगठन आने वाले दो से तीन वर्षों में और बेहतर लाभ की उम्मीद कर रहे हैं.

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने पेश किया नया फंड

मुंबई, 4 नवंबर. जीवन बीमा कंपनी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इश्योरेंस ने अपने यूनिट लिंकड इश्योरेंस प्लान (यूलिप) के लिए एक नया फंड, आईसीआईसीआई फ्रूडेंशियल लाइफ बीएसई 500 एन्हांस्ड वैल्यू 50 इंडेक्स फंड, पेश किया है. कंपनी ने मंगलवार को फंड की घोषणा करते हुए कहा कि इस फंड का उद्देश्य ग्राहकों को देश की आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं में भागीदारी के लिए मंच प्रदान करना है. यह फंड उन शेयरों पर फोकस करेगा जो सैद्धांतिक रूप से मजबूत हैं, लेकिन फिलहाल अपनी वास्तविक क्षमता से कम रिटर्न दे रहे हैं. कंपनी ने कहा कि यह इंडेक्स फंड ग्राहकों को उनके दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा.



नए युग में प्रवेश कर रही भारत की ऊर्जा-यात्रा: हरदीप सिंह

अब तक 8,000 किमी से अधिक क्षेत्र में सिस्मिक सर्वे पूरा

सात सेंडिमेंट्री बेसिन में अत्याधुनिक तकनीक से खोज जारी

नई दिल्ली, 4 नवंबर. केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'मिशन अन्वेषण' की शुरुआत के साथ ही भारत की ऊर्जा यात्रा एक नए युग में प्रवेश कर गई है. यह मिशन देश के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा सिस्मिक मैपिंग प्रोग्राम है, जिसे बीते वर्ष अक्टूबर में 792 करोड़ रुपये के निवेश से लॉन्च किया गया था.

मंत्री पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो साझा करते हुए देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों पर प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि भारत आज भी अपनी ऊर्जा की 80 प्रतिशत जरूरत तेल और गैस से पूरी करता है. दुनिया का लक्ष्य- 'मिशन अन्वेषण' का उद्देश्य देश को जमीन और समुद्र के नीचे छिपी दौलत का पता लगाना है. इस मिशन का मुख्य उद्देश्य देश भर में 20,000 ग्राउंड लाइन किलोमीटर से अधिक की मैपिंग करना है. पुरी ने जानकारी दी कि अभी तक कुल 8,000 ग्राउंड-लाइन किलोमीटर का सर्वेक्षण किया जा चुका है. इस मिशन के तहत राजस्थान के रेगिस्तान से लेकर कृष्णा-गोदावरी बेसिन की गहराइयों तक सात सेंडिमेंट्री बेसिन की खोज-उन्नत सिस्मिक टेक्नोलॉजी से स्टडी की जा रही है. इसका लक्ष्य भूमिगत रिजर्व की कहानी को कैचर, प्रोसेस और इंटरप्रेट करना है.

लक्ष्य: ऊर्जा में आत्मनिर्भरता

मंत्री पुरी ने स्पष्ट किया कि 'मिशन अन्वेषण' का लक्ष्य नए तेल और गैस फील्ड्स को खोजकर घरेलू उत्पादन को मजबूत बनाना है. इससे महंगे आयात पर निर्भरता कम होगी और भारत को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने का शक्तिशाली लक्ष्य पूरा होगा.

कोयला मंत्रालय Ministry of Coal

कोयला मंत्रालय ने विशेष अभियान में रचा कीर्तिमान

स्वच्छता, नवाचार और पारदर्शिता में लक्ष्य से अधिक उपलब्धियां

वेस्टर्न कोलफील्ड्स में पूरी तरह महिला टीम ने संभाला वित्त विभाग.

नई दिल्ली. कोयला मंत्रालय ने केंद्र सरकार के विशेष अभियान 5.0 के तहत अपने तय लक्ष्यों से अधिक उपलब्धियां हासिल की हैं. यह अभियान 2 से 31 अक्टूबर 2025 तक चलाया गया, जिसका उद्देश्य सरकारी दफ्तरों में कार्यकुशलता, स्वच्छता और अर्थलेख प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना था. मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, इस अभियान के दौरान 56.85 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ और 1.28 लाख से अधिक फाइलों का निस्तारण किया गया. यह अभियान केवल प्रशासनिक सुधार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें रचनात्मकता, स्थिरता और सामाजिक जिम्मेदारी को भी प्राथमिकता दी गई. अभियान के अंतर्गत कोयला मंत्रालय के अधीन आने वाली कंपनियों — कोल इंडिया लिमिटेड, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, वेस्टर्न कोलफील्ड्स, सेंट्रल कोलफील्ड्स, महानदी कोलफील्ड्स और ईस्टर्न कोलफील्ड्स — ने नवाचार और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने वाले अनेक कार्य किए. कोल इंडिया लिमिटेड ने कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य और कार्य-जीवन संतुलन के लिए अपने आवासीय परिसर में योग और ध्यान कक्ष को शुरुआत की. वहीं, वेस्टर्न कोलफील्ड्स के मुख्यालय में पूरी तरह महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित 'लागत एवं बजट अनुभाग' की स्थापना की गई, जो वित्तीय निर्णयों में महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है. सेंट्रल कोलफील्ड्स के मगध-संघमित्रा क्षेत्र में सफाई अभियान के दौरान एकत्र किए गए अपशिष्ट से सात फुट ऊंचा कोयला मजदूर का शिल्प तैयार किया गया. महानदी कोलफील्ड्स के बसुंधरा क्षेत्र में 'कवर से कला' प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों को अपशिष्ट वस्तुओं से उपयोगी कलाकृतियां बनाने हेतु प्रेरित किया गया. ईस्टर्न कोलफील्ड्स के सतगाम्भी क्षेत्र में 'कबाड़ से सेवा' पहल के तहत बंद अस्पताल की उपयोगी सामग्री समाजसेवी संस्था भारत सेवाश्रम संघ को दान की गई. स्वतंत्रता के बाद पहली बार, 11 कोयला खदानों को वैज्ञानिक तरीके से बंद किया गया. कोयला नियंत्रक संगठन ने सतत खनन और हरित वित्त पोषण के लिए लाइव्स और अर्था नामक रूपरेखाएं शुरू कीं.

गुणवत्ता सुधार पर केंद्रित एनएफआरए का नया टूलकिट

नयी दिल्ली, 3 नवंबर. राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने भारत में लेखापरीक्षा प्रथाओं की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. प्राधिकरण ने लेखापरीक्षा अध्यास टूलकिट जारी किया है, जो छोटे और मध्यम आकार की लेखापरीक्षा फर्मों को अपने कार्य में सटीकता और पारदर्शिता लाने में सहायता करेगा. एनएफआरए की इस पहल का उद्देश्य लेखापरीक्षा कार्य को अधिक व्यवस्थित, प्रमाणिक और जोखिम-संवेदनशील बनाना है. टूलकिट में ऑडिट प्रक्रिया की चरणबद्ध दिशा-निर्देश, दस्तावेजकरण के नमूने, और जोखिम मूल्यांकन की विधियां शामिल की गई हैं.

स्टील सेक्टर में हाइड्रोजन क्रांति

अगले 5-10 साल में हाइड्रोजन लेगा प्राकृतिक गैस की जगह

'डीआरआई + हाइड्रोजन' मॉडल को बताया ग्रीन स्टील का भविष्य

नई दिल्ली, 4 नवंबर. केंद्रीय इस्पात सचिव संदीप पौड्यु ने मंगलवार को कहा कि स्टील क्षेत्र के डीकार्बोनाइजेशन अभियान में हाइड्रोजन अगले 5-10 वर्षों में प्राकृतिक गैस का स्थान ले लेगा, क्योंकि इसकी कीमतें तेजी से गिर रही हैं. उन्होंने 'डीआरआई प्लस हाइड्रोजन' मार्ग को ग्रीन स्टील उत्पादन के लिए सबसे आशाजनक बताते हुए इसे भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा और स्थिरता लक्ष्यों का केंद्र बताया. सीआईआई स्टील समिट 2025 में मुख्य भाषण देते हुए पौड्यु ने कहा कि रक्षा, अवसर हैं. उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय स्टील का 47 प्रतिशत उत्पादन लगभग 2,200 मध्यम और छोटे उद्यमों द्वारा किया जाता है, जो इस इकोसिस्टम की रीढ़ हैं. टाटा स्टील के कोशिक चटर्जी ने 2030-31 तक 300 मिलियन टन और 2047 तक 500 मिलियन टन के लक्ष्यों को दोहराते हुए स्टील को राष्ट्रीय लचीलेपन की रीढ़ बताया.

आत्मनिर्भरता और लक्ष्य

आत्मनिर्भरता के लिए, मंत्रालय घरेलू कोकिंग कोल की हिस्सेदारी बढ़ाने हेतु कोयला मंत्रालय के साथ समन्वय कर रहा है. साथ ही, सरकार सस्ती और निम्न-मानक स्टील की बाढ़ को रोकने के लिए क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर लागू कर रही है, जिससे समान गुणवत्ता मानक सुनिश्चित हों. विकसित भारत के विजन के तहत, 2047 तक 500 मिलियन टन क्षमता का लक्ष्य है. पौड्यु ने कहा कि वर्तमान गति से, भारत हर 5-7 वर्षों में 100 मिलियन टन क्षमता जोड़ रहा है, जिससे वह घरेलू मांग को पूरा करते हुए टिकाऊ स्टील उत्पादन में एक वैश्विक नेता बनेगा.

मॉयल ने स्थापना के बाद सर्वश्रेष्ठ अक्टूबर माह का उत्पादन किया

महाराष्ट्र, 4 नवंबर. मॉयल ने अक्टूबर 2025 में 1.60 लाख टन मैंगनीज अल्पक का उत्पादन दर्ज करते हुए कंपनी के इतिहास में अब तक का सर्वश्रेष्ठ अक्टूबर माह का उत्पादन हासिल किया. यह इस अवधि के पिछले वर्ष की तुलना में 9.1% अधिक है. वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) के दौरान कंपनी का कुल उत्पादन 11.04 लाख टन रहा, जो गतवर्ष के समान अवधि की तुलना में 8.5%

संजय कुमार की स्पाइसजेट में वापसी

नयी दिल्ली, 4 नवंबर. स्पाइसजेट ने अपने नेतृत्व दल को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए विमानन क्षेत्र के अनुभवी पेशेवर संजय कुमार को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है. इंडिगो में शीर्ष पदों पर लंबे समय तक सेवाएँ देने वाले कुमार अब स्पाइसजेट के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अजय सिंह को सीधे रिपोर्ट करेंगे. उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कंपनी आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही है और नए व्यावसायिक रास्तों की तलाश में है.

स्कोडा की सालाना बिक्री ने बनाया नया रिकॉर्ड

जनवरी से अक्टूबर के बीच 61,607 कारों की बिक्री दर्ज

जबलपुर। वर्ष 2025, स्कोडा ऑटो इंडिया के लिए ऐतिहासिक रहा है। कंपनी ने भारत में अपने 25 साल पूरे किए हैं। इसी वर्ष के अक्टूबर महीने में ब्रांड ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की, देश में अपनी अब तक की सर्वाधिक वार्षिक बिक्री का आंकड़ा पार किया। जनवरी से अक्टूबर 2025 के बीच स्कोडा ऑटो इंडिया ने 61,607 वाहनों की बिक्री दर्ज की। यह उपलब्धि कंपनी के अब तक के सर्वश्रेष्ठ तिमाही और अर्धवार्षिक प्रदर्शन के बाद आई है। अक्टूबर 2025 में 8,252 से अधिक यूनिट्स की बिक्री के साथ स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी अब तक की सबसे बड़ी

समाचार विशेष

तेजस्वी को पंक्कर कर रहे हैं राहुल!

पटना. महागठबंधन में सीट बंटवारे और तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित कर दिए जाने के बाद राहुल गांधी प्रचार के लिए बिहार पहुंचे. उन्होंने बुधवार, 29 अक्टूबर को दो जनसभा की, जिसमें तेजस्वी यादव भी उनके साथ थे. इससे ऐसा लग रहा है कि दोनों पार्टियों के बीच सब कुछ ठीक हो गया है और महागठबंधन एकजुट होकर चुनाव लड़ रहा है. लेकिन थोड़ी बारीकी से देखने पर साफ दिख रहा है कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का एजेंडा अभी पूरा नहीं हुआ है. तीन महीने तक गठबंधन की घोषणा, सीट बंटवारा और तेजस्वी

राहुल ने जान बूझकर जिद्द किया

बहरहाल, राहुल गांधी कैसे तेजस्वी यादव को पंक्कर कर रहे हैं इसकी एक मिसाल यह है कि उन्होंने तेजस्वी के सामने कहा कि, 'देश के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी के यहां शादी में मैं नहीं गया, लेकिन नरेंद्र मोदी गए'. उस समय तेजस्वी यादव का चेहरा देखने लायक था. क्या राहुल को पता नहीं था कि लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव सहित परिवार के करीब एक दर्जन सदस्य उस शादी में गए थे? निश्चित रूप से राहुल को पता होगा कि पूरा लालू परिवार विशेष विमान से शादी में गया था, वहां अगली पंक्ति में बैठा था और फोटो खिंचवाने की जगह पर खड़े होकर सबने तस्वीरें खिंचवाई थीं.

प्रचार नहीं करूंगी, लेकिन आशीर्वाद साथ

पटना. बिहार में चुनावी सरगमियों के बीच पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने पहली बार अपने बेटे तेज प्रताप यादव पर सार्वजनिक रूप से अपनी स्थिति स्पष्ट की. उन्होंने कहा कि वह दिल से मेरा बेटा है, इन लोगों ने उसे पार्टी और घर से निकाल दिया है. मैं प्रचार नहीं करूंगी, लेकिन चाहती हूँ कि वह चुनाव जीते. उन्होंने आगे कहा कि वह अपने पैरों पर खड़ा है और उसे बिहार में काम करने का पूरा अधिकार है.

लड्डुओं की मिठास और सियासी खटास

पटना. बिहार की राजनीति में पटना जिले की मनेर विधानसभा सीट एक अनूठी पहचान रखती है. गंगा और सोन नदियों के पवित्र संगम पर बसा यह क्षेत्र, अपने प्रसिद्ध 'मनेर के लड्डू' की मिठास के साथ-साथ, पिछले एक दशक से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के लिए एक मजबूत और अभेद्य किला बन चुका है. पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली यह सीट पूरी तरह से यादव समुदाय के वचस्व में है. 2024 लोकसभा का संकेत-मनेर का मजबूत राजनीतिक आधार सिर्फ विधानसभा तक सीमित नहीं है. 2009 में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को इसी पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र से हार मिली थी, लेकिन उनकी बेटी मीसा भारती ने 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करके इस क्षेत्र में पार्टी की उपस्थिति को फिर से मजबूत किया. 2024 के लोकसभा चुनाव में मनेर विधानसभा क्षेत्र ने राजद को 34,459 वोटों की बड़ी बढ़त दी, जो आगामी नवंबर महीने के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की मजबूत स्थिति का स्पष्ट संकेत है.

विशेष भाजपा के सामने सीट बचाने की चुनौती

आरक्षण के बाद बदला सियासी समीकरण

जानी जाती है. 2008 में आरक्षित होने के बाद यहां का चुनावी परिदृश्य पूरी तरह से बदल गया, और अब यह सीट भाजपा और राजद के बीच कड़े मुकाबले का केंद्र बन चुकी है. आरक्षण के बाद भाजपा-राजद की सीधी टक्कर-कटोरिया सीट का इतिहास बताता है कि 2008 में एसटी के लिए आरक्षित होने से पहले यहां कांग्रेस का दबदबा था, जिसने 5 बार जीत दर्ज की थी. आरक्षण के बाद मुकाबला सीधे तौर पर राष्ट्रीय दलों के बीच आ गया, जहां

भाजपा और राजद ने अपनी पकड़ मजबूत की है. पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा की निक्की हेन्ड्रम ने राजद की स्वीटी सीमा हेन्ड्रम को हराकर जीत हासिल की थी. यह हार-जीत का सिलसिला 2025 में भी जारी रहने वाला है. स्वीटी सीमा हेन्ड्रम पर आरजेडी का भरोसा- इस बार भाजपा ने पूरा लाल टुडू को उम्मीदवार बनाया है, जबकि राजद ने पिछली बार की मजबूत दावेदार स्वीटी सीमा हेन्ड्रम को फिर से मैदान में उतारा है. इसके अलावा, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने सलोनी मुर्मू को

इतिहास, धर्म और आस्था का केंद्र

कटोरिया क्षेत्र अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के लिए जाना जाता है. बीसी में स्थित मधुसूदन मंदिर श्रद्धालुओं के लिए एक प्रमुख केंद्र है. वहीं, राधानगर बाजार स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर में पिछले 136 वर्षों से मां भगवती को डोक चढ़ाने की परंपरा आज भी जारी है. चंदन नदी पर स्थित लक्ष्मीपुर गांव का उल्लेख राजा लक्ष्मीपुर की पूर्व सीट के रूप में किया जाता है, जिनके किले के अवशेष आज भी मौजूद हैं. टिकट देकर चुनावी लड़ाई को त्रिकोणीय बना दिया है. चूकि सभा प्रमुख उम्मीदवार अनुसूचित जनजाति (स्झ) से आते हैं, इसलिए गैर-आदिवासी वोटों (जैसे मुस्लिम, भूमिहार, कोइरी) की दिशा इस बार निर्णायक साबित हो सकती है. कटोरिया सीट का जातीय समीकरण- कटोरिया एस्पटी

मनेर का इतिहास और सांस्कृतिक विरासत

मनेर की पहचान इसके राजनीतिक समीकरणों से कहीं ज्यादा गहरी है. प्राचीन काल में इसे 'मनियार मदान' यानी 'संगीतमय नगरी' के नाम से जाना जाता था. माना जाता है कि संस्कृत के महान व्याकरणकार्य पाणिनि ने अपनी विश्व प्रसिद्ध रचना 'अष्टाध्यायी' की रचना से पहले यहीं अध्ययन किया था. आज मनेर शरीफ 13वीं सदी के सुफी संत मखदूम याह्या मनेरी और 16वीं सदी के मखदूम शाह दौलत की दरगाहों के लिए प्रसिद्ध है, जो इसे इस्लामी शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र बनाता है.

